Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. प्रतिपवन भाग में स्थित वह पर्वतीय क्षेत्र जिसमें वर्षा कम होती है, क्या कहलाता हैं ?

(अ) करकापात (ब) पवानाभिमुख ढाल क्षेत्र

(स) वृष्टि छाया क्षेत्र (द) संवहनीय वर्षा क्षेत्र

2. दोनों ओर 45 से 65 डिग्री अक्षांशों के मध्य, पूर्वी तटो पर बहुत कम वर्षा तथा पश्चिम की तरफ अधिक वर्षा हो जाती है, क्यों ?

(अ) संवहनीय वर्षा के कारण (ब) पुरवा पवनो के कारण

(स) चक्रवातीय वर्षा के कारण (द) पछुआ पवनों के कारण

3. जमी हुई वर्षा की बूँदों या पिघलकर पुनः जमे बर्फ के कणों के वर्षण को क्या कहते हैं-

(अ) वृष्टि (ब) ओलावृष्टि

(स) सहिम वृष्टि (द) वृष्टि छाया

4. संघनन का कौनसा रूप दृश्यता को न्यूनतम कर देता है ?

(अ) धुंध (ब) ओंस

(स) पाला (द) कोहरा

5. निम्न में से सबसे ऊँचाई पर स्थित बादल कौन सा हैं ?

(अ) कपासी मेघ (ब) वर्षा मेघ

(स) स्तरी मेघ (द) पक्षाभ मेघ

6. सूर्य की किरणों के लिए कौनसे मेघ अपारदर्शी होते हैं ?

(अ) कपासी मेघ (ब) पक्षाभ मेघ

(स) स्तरी मेघ (द) वर्षा मेघ

7. जिस तापमान पर जल वाष्पीकृत होना शुरू होता है, उसे कहा जाता है-

(अ) वाष्पीकरण की गुप्त ऊष्मा (ब) क्वथनांक

(स) ऊर्ध्वपातन (द) उच्च तापमान

8. ऐसा वर्षण जिसमें जल की बूंदों के साथ हिमकण भी मिले होते हैं, क्या कहलाती है ?

(अ) हिमपात (ब) करका पात

(स) ओला पत्थर (द) सहिम वृष्टि

मिशन ज्ञान पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. मानव के लिए वायुमंडल का सबसे महत्वपूर्ण घटक निम्नलिखित में से कौन सा है-

(अ) जलवाष्प (ब) धूलकण

(स) नाइट्रोजन (द) ऑक्सीजन

10. निम्नलिखित में से वह प्रक्रिया कौन सी है जिसके द्वारा जल, द्रव से गैस में बदल जाता है-

(अ) संघनन (ब) वाष्पीकरण

(स) वाष्पोत्सर्जन (द) अवक्षेपण

रिक्त स्थान

11. हवा के तापमान में _____ संघनन के लिए सबसे अच्छी अवस्था है।

12. हवा की गति जितनी तीव्र होगी, वाष्पीकरण उतना ही _____ होगा।

सत्य/असत्य

13. पर्वतों के प्रतिपवन ढाल पर सर्वाधिक वर्षा होती है।

14. पर्वतों के पवनाभिमुखी ढाल पर न्युनतम वर्षा होती है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. वायुमंडल में आर्द्रता किस प्रकार प्राप्त होती है?

16. वायुमंडल, महासागरों तथा महाद्वीपों के बीच जल का लगातार आदान-प्रदान किस प्रक्रिया द्वारा होता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. वाष्पीकरण की प्रक्रियाओं के बारे में व्याख्या करें।

18. बादलों को कितने रूपों में वर्गीकृत किया जाता है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. संवहनीय वर्षा के बारे में व्याख्या करें।

20. जलचक्र किस प्रकार मानव-जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

HOTS

21. कोहरा और कुहासा बनने के लिए उपयुक्त अवस्थाएँ क्या होती हैं?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

उत्तरमाला

1. **(स)**
प्रतिपवन भाग में स्थित वह पर्वतीय क्षेत्र जिसमें वर्षा कम होती है वृष्टि छाया क्षेत्र कहलाता हैं।

2. **(द)**
पछुआ पवनो के कारण ऐसा होता हैं क्योंकि पछुआ पवने समुद्र की ओर से आती है तथा पश्चिम से पूर्व की ओर बढती है तथा पश्चिम से पूर्व की ओर वर्षा की मात्रा कम होती जाती हैं।

3. **(स)**
सहिम वृष्टि : ऐसी वृष्टि में जल की बूंदें तथा हिम एक साथ पाया जाता है।

4. **(द)**
कोहरे के कारण दृश्यता कम से न्यूनतम हो जाती है।

5. **(द)**
ये बादल आठ से बारह किमी० की ऊँचाई पर स्थित होते हैं शेष सभी मेघ इनसे कम ऊँचाई पर स्थित होते हैं।

6. **(द)**
सूर्य की किरणों के लिए वर्षा मेघ अपारदर्शी होते हैं और ये गहरे काले रंग के होते हैं।

7. **(अ)**
जिस तापमान पर जल वाष्पीकृत होना शुरू होता है, उसे वाष्पीकरण की गुप्त ऊष्मा कहा जाता है।

8. **(द)**
ऐसा वर्षण जिसमे जल की बूंदों के साथ हिमकण भी मिले होते हैं सहिम वृष्टि कहलाती है।

9. **(द)** ऑक्सीजन

10. **(ब)** वाष्पीकरण

11. कमी

12. तीव्र

13. असत्य

14. असत्य

15. वायुमंडल में आर्द्रता जलाशयों से वाष्पीकरण तथा पौधों में वाष्पोत्सर्जन से प्राप्त होती है। वायुमण्डल में विद्यमान अदृष्य जलवाष्प की मात्रा आर्द्रता कहलाती हैं।

16. वाष्पीकरण, वाष्पोत्सर्जन, संघनन एवं वर्षण की प्रक्रिया द्वारा वायुमंडल, महासागरों तथा महाद्वीपों के बीच जल का लगातार अदान-प्रदान होता रहता है।

17. किसी तत्त्व या यौगिक का द्रव अवस्था से गैस अवस्था में परिवर्तन वाष्पीकरण कहलाता है। वाष्पीकरण दो प्रकार का होता है-
1. वाष्पन :- किसी द्रव के सतह के कणों का गैस में बदलने की वह प्रक्रिया है जिसमें द्रव की सतह के ठीक ऊपर स्थित गैस संतृप्त न हो।
2. क्वथन :- ऊष्मा द्वारा द्रव की सतह पर स्थित अणुओं की गतिज ऊर्जा उनके ऊपर लग रहे वायुमंडलीय वाष्पदाब के बराबर हो जाने की स्थिति को क्वथन कहते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

18. बादलों को चार रूपों में वर्गीकृत किया जाता है यह निम्नलिखित है :-

i. **पक्षाभ मेघ :** पक्षाभ बादल सबसे अधिक ऊँचाई पर लघु हिमकणों द्वारा निर्मित उच्च मेघ या बादल हैं जो प्रायः छितराये रूप में रेशम की तरह दिखते हैं। इनका निर्माण छोटे-छोटे हिमकणों द्वारा होता हैं इसलिए इनसे होकर जब सूर्य की किरणें गुजरती हैं तो रंग श्वेत हो जाता हैं, परन्तु शाम के समय यह विविध रंगों में दृष्टिगोचर होते हैं।

ii. **कपासी मेघ :** कपासी बादलों की उत्पत्ति वायु की संवहनीय धाराओं के कारण होती है जिसके कारण ये ऊर्ध्वाधर रूप से विकसित होते हैं। इनके कपास के ढेर जैसा दिखने के कारण यह नाम है।

iii. **स्तरी मेघ :** समान परत वाले निचले बादल जो देखने में कुहरा के समान प्रतीत होते हैं किन्तु भूतल से कुछ ऊँचाई पर पाये जाते हैं और धरातल से सटे नहीं होते हैं।

iv. **वर्षा मेघ :** वर्षा स्तरी मेघ ये गहरे भूरे रंग तथा अविच्छिन्न आधारवाले होते हैं।

19. भूमध्य रेखीय प्रदेशों में दिन में अत्यधिक सूर्यातप के कारण धरातल के अधिक गर्म हो जाने पर वायु फैलती है और हल्की होने के कारण ऊपर उठती है। ऊपर उठती हुई यह वायु सागरों तथा अन्य जलाशयों से आर्द्रता ग्रहण कर लेती है। आकाश में पर्याप्त ऊँचाई पर पहुँच कर वायु ओसांक तक ठंडी हो जाती है और संघनन प्रारम्भ हो जाता है तथा कपासी वर्षा मेघों की उत्पत्ति होती है और तीव्र वर्षा होने लगती है। इसे संवहनीय वर्षा कहते हैं। भूमध्य रेखीय प्रदेशों में प्रायः प्रतिदिन दोपहर के पश्चात बिजली की चमक तथा मेघगर्जन के साथ संवहनीय वर्षा होती है।

20. जल मानवता की बुनियादी जरूरत है और जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है। जीवन का अस्तित्व जल चक्र की वजह से है। जल का चक्र अपनी स्थिति बदलते हुए चलता रहता है जिसे जल चक्र अथवा जलविज्ञानीय चक्र कहते हैं। समुद्र का जल सूर्य के प्रकाश से गर्म होकर जलवाष्प का रूप धारण कर लेता है तथा जलवाष्प से बादल के रूप में परिणत हो जाता है और पृथ्वी पर वर्षा कराता है। वर्षा का जल नदी-नालों के माध्यम से समुद्र में चला जाता है और फिर समुद्र का जल गर्म होकर जलवाष्प और फिर पृथ्वी पर वर्षा, इस तरह जलचक्र चलता रहता है जो मानव-जीवन के लिए महत्वपूर्ण होता है।

21. जब बहुत अधिक मात्रा में जलवाष्प से भरी हुई वायु संहति अचानक नीचे की ओर गिरती है तब छोटे-छोटे धूल के कणों के ऊपर ही संघनन की प्रक्रिया होती है। इसलिए कोहरा एक बादल है जिसका आधार सतह पर या सतह के बहुत नजदीक होता है। कोहरा तथा कुहासा के कारण दृश्यता कम से शून्य तक हो जाती है। नगरीय एवं औद्योगिक केंद्रों में धुएँ की अधिकता के कारण केंद्रकों की मात्रा की भी अधिकता होती है जो कोहरे और कुहासे के बनने में मदद देती हैं। ऐसी स्थिति को. जिसमें कोहरा तथा धुआँ सम्मिलित रूप से बनते हैं, 'धूम्र कोहरा' कहते हैं। कुहासे एवं कोहरे में केवल इतना अंतर होता है कि कुहासे में कोहरे की अपेक्षा नमी अधिक होती है। कुहासा पहाड़ों पर अधिक पाया जाता है, क्योंकि ऊपर उठती हुई गर्म हवा ढाल पर ठंडी सतह के संपर्क में आती है। कोहरे कुहासे की अपेक्षा अधिक शुष्क होते हैं तथा जहाँ गर्म हवा को धारा ठंडी हवा के संपर्क में आती है वहाँ ये प्रबल होते हैं। कोहरे छोटे बादल होते हैं जिसमें धूलकण, धुएँ के कण तथा नमक के कण होते हैं। केंद्रकों के चारों ओर संघनन की क्रिया होती है

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES